[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, शुक्रवार, 05 दिसंबर 2025 I मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 98, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

PADMAVAT MEDIA न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे

Reg. No. MH180326353

पदमावत मीडिया

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

अनमोल वचन

निषेध से आकर्षण बढ़ता ....

- ओशो

जिलाधिकारी ने 03

04 पितृपक्ष में पिंड...

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 95945-42679 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क 95945-42679

प्रधान सम्पादक

राज्यपाल ने जेएनवीयू में उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं नई शिक्षा नीति की समीक्षा

विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य हो — ज्ञान, चरित्र और कौशल आधारित शिक्षा सुनिश्चित की जाए : राज्यपाल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर/जोधपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालयों का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि मूल्यपरक, समग्र और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के सुयोग्य नागरिकों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तभी सुदृढ़ होगी जब शिक्षण संस्थान ज्ञान के साथ चरित्र और कौशल तीनों आयामों पर समान रूप से कार्य करें।

राज्यपाल गुरुवार को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से संबंधित विशेष समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य की जाए तथा आने-जाने दोनों समय उपस्थिति दर्ज कराने की प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा कि उपस्थिति का कड़ाई से पालन शिक्षा की गंभीरता और अनुशासन दोनों को मजबूत करेगा।

उन्होंने नई शिक्षा नीति को निर्धारित समयबद्ध कार्यक्रम के अनुरूप लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राकृतिक खेती और अन्य स्थानीय नवाचारों को विश्वविद्यालयों में व्यावहारिक शिक्षण मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में इन नवाचारों को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे मॉडल ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बैठक में विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति, अनुसंधान के अनुकूल शैक्षणिक वातावरण और विभिन्न पदों पर रिक्तियों की समीक्षा भी की गई। राज्यपाल ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, उपलब्ध संसाधनों का सुव्यवस्थित उपयोग करने और शिक्षण एवं प्रशासनिक पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए, ताकि शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतरता बनी रहे और विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अपने लक्ष्य को प्रभावी रूप से प्राप्त कर सके।

राज्यपाल बागडे ने मारवाड़ मेडिकल विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक ली

नई शिक्षा नीति का पूर्ण क्रियान्वयन हो — भारतीय ज्ञान परंपरा, शोध संस्कृति और समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए

जयपुर/जोधपुर @ पदमावत मीडिया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को एस.एन. मेडिकल कॉलेज में मारवाड़ मेडिकल विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शैक्षणिक प्रगति, अनुसंधान की गुणवत्ता, परीक्षा सुधार, अधोसंरचना विकास, छात्र कल्याण और संबद्ध महाविद्यालयों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि छात्रों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता, शोध सुविधाएँ, खेल व्यवस्थाएँ और हॉस्टल सेवाएँ मजबूत की जाएँ। उन्होंने निमार्णाधीन विश्वविद्यालय भवन में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य को निर्धारित समय में पूरा कराने पर विशेष बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय मूल्यों एवं राष्ट्रीय दृष्टि पर आधारित है। इसलिए आवश्यक है कि भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन चिकित्सा विज्ञान और आधुनिक अनुसंधान का संतुलित समन्वय कर विद्यार्थियों के ज्ञान, चरित्र और कौशल का समग्र विकास किया जाए। उन्होंने कहा कि मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य केवल चिकित्सक तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील नागरिक तैयार करना भी है जो समाज सेवा के प्रति समर्पित हों। उन्होंने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि उत्कृष्ट शिक्षण, प्रभावी शोध तंत्र, नवाचार और छात्र- केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाए, ताकि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता स्थापित कर सके। कुलगुरु प्रो. एम.के. आसरेरी ने अवगत कराया कि सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय में 3329 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। NEP–2020 के अंतर्गत द्विभाषीय पाठ्यक्रम लागू किया जा चुका है। संबद्ध महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम एवं मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च लैब संचालित हैं। विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम बोरावास को गोद लेकर विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ लागू की जा रही हैं।

खबर संक्षेप

कांग्रेस ओबीसी विभाग के पुन: जिलाध्यक्ष बने सीएल गहलोत

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल @ पदमावत मीडिया। कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद द्वारा घोषित नई कार्यकारिणी में सीएल गहलोत को पुनः जालोर जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पत्र जारी कर बताया गया कि गहलोत की निष्ठा, सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। गहलोत से अपेक्षा जताई गई है कि वे कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुँचाने के साथ संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएँगे। मनोनयन पर जिले में विशेषकर ओबीसी वर्ग में खुशी का माहौल है। उनके जिलाध्यक्ष बनने पर शुभचिंतकों, समाज जनों और नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी सहित कई संगठनों ने बधाई दी।

विशाल दिव्यांग मेले का होगा आयोजन

भीनमाल @ पदमावत मीडिया। विश्व दिव्यांग दिवस पर भीनमाल में विशाल दिव्यांग मेले का आयोजन किया जा रहा है। बीके गीताबेन, राजयोग केंद्र प्रभारी ने कहा कि दिव्यांग होना अभिशाप नहीं, बल्कि एक चुनौती है और इस चुनौती का साहस के साथ सामना करना चाहिए। खेतावत सेवा सदन के सभाभवन में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय मेले में दिव्यांगजन के लिए विशेष गतिविधियां, मोटिवेशनल सत्र, मेडिटेशन क्लास, बौद्धिक विकास से जुड़े गेम और दिव्यांग उपहार वितरित किए जाएंगे। प्रतिभागियों के लिए एक समय का भोजन भी रखा गया है। समारोह का उद्घाटन प्रातः 10 बजे होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सहभागिता की संभावना है। मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि कार्यक्रम सुंदर बिजनेस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के भगवती शर्मा एवं दर्शन शर्मा के सौजन्य से आयोजित हो रहा है। मेले में दिव्यांगजन के हितों से जुड़े कुछ प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे।

होमगाड्र्स स्थापना दिवस 6 दिसंबर को, भोपाल में होगा मुख्य समारोह

भोपाल @ पदमावत मीडिया। प्रदेश में होमगाड्र्स का स्थापना दिवस 6 दिसंबर को समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य समारोह का आयोजन होमगाड्र्स परेड ग्राउंड, जहांगीराबाद भोपाल में प्रातः 10 बजे से होगा, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रहेंगे। होमगाड्र्स, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में परेड द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी जाएगी तथा परेड का निरीक्षण और मार्च-पास्ट आयोजित होगा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि का उद्बोधन रखा गया है। समारोह के दौरान एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस द्वारा आपदा बचाव का डेमो प्रस्तुत किया जाएगा।

ईडी ने अलफुर्कान एजुकेशनल ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद सदीक उर्फ सादिक खान को मनी लॉन्ड्रिंग में किया गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सार्वजनिक दान के दुरुपयोग, अवैध गतिविधियों और संदिग्ध विदेशी नेटवर्क से जुड़े मामले में 3 दिन की ईडी कस्टडी

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जयपुर जोनल कार्यालय ने अलफुर्कान एजुकेशनल ट्रस्ट (अएळ), बीकानेर के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद सदीक उर्फ सादिक खान को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (ढटछअ), 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सार्वजनिक दान की अवैध हेराफेरी, नकद आधारित अपराधों, संदिग्ध विदेशी संपर्कों और उग्रवादी नेटवर्क से जुड़े गंभीर आरोपों की जांच के बाद की गई।

गिरफ्तारी के बाद 4 दिसंबर 2025 को मामले को विशेष ढटछअ अदालत, जयपुर में प्रस्तुत किया गया, जहां अदालत ने सदीक को 3 दिन की ईडी रिमांड (6 दिसंबर 2025 तक) पर भेजने के आदेश दिए।

ईडी ने यह जांच राजस्थान पुलिस की दो एफआईआर और गोपनीय इनपुट के आधार पर शुरू की थी। आरोप था कि सदीक उग्रवादी प्रचार, दावत गतिविधि, जबरन धर्म परिवर्तन, विदेशी उग्रवादी संगठनों से संपर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन में शामिल था। पुलिस की रिपोर्टों में उस पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों के उपयोग के मामले भी दर्ज हैं।

जांच में सामने आया कि सदीक ने मस्जिद-ए-आयशा संचालित करने के लिए अलफुर्कान एजुकेशनल ट्रस्ट बनाया और भारी मात्रा में सार्वजनिक दान नकद में एकत्र किया। इन दानों का कोई लेखा-जोखा नहीं रखा गया और समस्त राशि सदीक के व्यक्तिगत कब्जे में रखी गई। यह काला धन विदेशी यात्राओं, अवैध गतिविधियों, उग्रवादी संगठनों से मुलाकात और व्यक्तिगत खर्चों में प्रयुक्त किया गया। सदीक ने बांग्लादेश, नेपाल, कतर और ओमान की कई यात्राएं भी इन्हीं अवैध नकदी के आधार पर कीं। बांग्लादेश यात्रा के दौरान वह मोहम्मद सलीम उर्फ सौरभ वैद्य से मिला, जिसे एमपी एटीएस ने प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

जांच में यह भी सामने आया कि सदीक के पास कई वर्षों से कोई वैध आय का स्रोत नहीं था। वह जुआ, अवैध शराब कारोबार और देसी हथियारों की संदिग्ध तस्करी जैसे आपराधिक माध्यमों से धन अर्जित कर रहा था। पुलिस द्वारा पूर्व में दर्ज एक प्रकरण में उससे और उसके साथियों से 3 देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे।

ईडी का कहना है कि धार्मिक और सामाजिक कार्यों का आवरण लेकर सदीक एक बड़े अवैध नेटवर्क को संचालित कर रहा था। जांच में यह भी उजागर हुआ कि उसने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के सदस्यों से मुलाकात की और नेपाल तथा सीरिया जाने की तैयारी भी की थी, लेकिन इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे रोक दिया। सदीक से जुड़े एक भड़काऊ भाषण का वीडियो भी जांच में शामिल किया गया है, जिसे समाज में वैमनस्य फैलाने की नीयत से तैयार किया गया था।

जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि सदीक की देखरेख में सार्वजनिक स्थान पर विदेशी देश के झंडे को जलाने जैसी गतिविधियां कराई गईं और इन्हीं घटनाओं का उपयोग कर दान जुटाए गए, जिससे धार्मिक भावनाओं को भड़काकर आर्थिक लाभ उठाया गया।

मोहम्मद सदीक की गिरफ्तारी अवैध वित्तीय नेटवर्क, उग्रवादी प्रभावों और आपराधिक गतिविधियों पर आधारित इस गठजोड़ को ध्वस्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मामले की आगे की जांच जारी है।

शिल्पग्राम पर नि :शुल्क फोटो प्रतियोगिता के लिए आज अंतिम दिवस

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा शिल्पग्राम एवं शिल्पग्राम उत्सव पर आधारित निःशुल्क फोटो प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां जमा कराने की अंतिम तिथि आज शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। प्रतिभागी रात्रि 12 बजे तक अपनी प्रविष्टियां ऑनलाइन भेज सकते हैं, जबकि स्थानीय प्रतिभागी गणगौर घाट स्थित बागोर की हवेली के कार्यालय में भी अपनी तस्वीरें ऑफलाइन जमा करा सकते हैं।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य शिल्पग्राम की कलात्मकता, लोकझसांस्कृतिक परिवेश और उत्सव की जीवंतता को एक विस्तृत मंच प्रदान करना है। प्रतिभागियों को शिल्पग्राम या उत्सव से जुड़ी नई अथवा पुरानी किसी भी प्रकार की तस्वीरें भेजने की अनुमति होगी। प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी प्रतिभागी मोबाइल, डीएसएलआर या ड्रोन कैमरे से ली गई अधिकतम 5 एमबी आकार की दो रंगीन या श्वेत-श्याम तस्वीरें निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से 5 दिसंबर की मध्यरात्रि तक भेज सकता है। ऑनलाइन सबमिशन के लिए लिंक https://tinfyurl.com/SHILP-GRAM उपलब्ध है, जिसे शिल्पग्राम एवं केन्द्र के सोशल मीडिया पेजों पर भी देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता प्रविष्टियां कार्यालय समय 10 बजे से 5 बजे के बीच बागोर की हवेली के कार्यालय में ऑफलाइन भी जमा कराई जा सकती हैं।

जूरी द्वारा चयनित तीन श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही, चयनित एवं पुरस्कृत तस्वीरों की प्रदर्शनी शिल्पग्राम उत्सव के दौरान संगम गैलेरी में आयोजित की जाएगी।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन देश को समर्पित था : डॉ. भटनागर

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पूर्व अध्यक्ष और आजाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति, संविधान निर्मात्री सभा के प्रथम अध्यक्ष तथा भारतरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद का राष्ट्र को योगदान विषयक संगोष्ठी का आयोजन अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से गोकुल विलेज में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उनके वृहद चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अंतर्राष्ट्रीय चित्रांश दिवस मनाया गया। महासभा के उदयपुर संभाग व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज भटनागर ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके अद्वितीय योगदान का स्मरण कराते हुए कहा कि उनका जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया में असाधारण नेतृत्व प्रदान किया और देश की एकता, समरसता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया।

पटवारी भर्ती 2025 के दस्तावेजों की जांच सोमवार से प्रारंभ

अजमेर। पटवारी भर्ती-2025 का परीक्षा परिणाम 3 दिसम्बर को कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा जारी किया गया। बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार पात्रता एवं दस्तावेज सत्यापन के लिए 7410 अभ्यर्थियों की सूची राजस्व मंडल को भेजी गई है। इन अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच सोमवार, 8 दिसम्बर 2025 से राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (आरआरटीआई), जयपुर रोड, अजमेर में की जाएगी। चयन बोर्ड ने वेबसाइट पर 4 से 6 दिसम्बर तक स्क्रूटनी फॉर्म/विस्तृत आवेदन पत्र भरवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजस्व मंडल ने अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि से पूर्व अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की कमी पूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने संसद में उठाई मांग

नाथद्वारा में मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य जल्द शुरू करने पर जोर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद/नई दिल्ली । राजसमंद संसदीय क्षेत्र की सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने संसद में नाथद्वारा में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराने की माँग दृढ़ता से उठाई। उन्होंने कहा कि गुंजोल ग्राम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की घोषणा राज्य बजट 2023 में हो चुकी है, भूमि आवंटन भी किया जा चुका है, लेकिन भवन निर्माण अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

सांसद ने प्रश्न उठाते हुए कहा कि राजसमंद क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा जनजाति बहुल है। विशेषकर भीम, कुंभलगढ़ सहित अनेक क्षेत्र, जहाँ लोग वर्षों से चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में जूझ रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, उच्च स्तरीय चिकित्सा ढांचे के विकास तथा मौजूदा स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की संख्या बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब गुंजोल में मेडिकल कॉलेज निर्माण को राज्य बजट में विधिवत स्वीकृति मिल चुकी है, तो किसी भी प्रकार की बाधा शेष नहीं रहनी चाहिए। मेडिकल कॉलेज निर्माण में हो रही देरी से क्षेत्र की जनता, विशेषकर जनजाति बहुल इलाकों में, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सांसद ने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु सभी नीतिगत अवरोधों को शीघ्र दूर किया जाना चाहिए ताकि मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ हो सके और राजसमंद क्षेत्र को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकें।

'द स्पेस विदीन' कला प्रदर्शनी का प्रारंभ

श्वेत-स्याह ड्राइंग्स की अनूठी दुनिया, कलाकार देवजी श्रीमाली की 65 कृतियाँ प्रदर्शित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। सुरेन्द्रनगर, लिमड़ी में जन्मे गुजरात के वरिष्ठ कलाकार देवजी श्रीमाली की एकल कला प्रदर्शनी द स्पेस विदीन का शुभारंभ गुरुवार को बागौर की हवेली में हुआ।

प्रदर्शनी में श्वेत-स्याह ड्राइंग्स की विशिष्ट श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें कलाकार की दृष्टि, तकनीक और भावनात्मक अभिव्यक्ति विशेष रूप से उभरकर सामने आती है। प्रदर्शनी का उद्घाटन शहर के प्रख्यात कलाकार और फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के निदेशक हेमंत द्विवेदी द्वारा किया गया। प्रदर्शित ड्राइंग्स की सबसे खास बात यह है कि इन कृतियों में प्रयुक्त स्याही कलाकार ने स्वयं तैयार की है तथा किसी भी चित्र में ब्रश का उपयोग नहीं किया गया है। देवजी ने कपड़े के माध्यम से स्ट्रोक देते हुए अनोखी शैली में इन चित्रों को गढ़ा है। देवजी ने बताया कि कोरोना काल के बाद मानव मन की स्थितियों, संवेदनाओं और परिवर्तित जीवन दृष्टि को उन्होंने अपनी ड्राइंग्स में रूपांतरित किया है।

पिछले तीन वर्षों में लगभग 8000 ड्राइंग्स बनाईं, जिनमें से 65 चयनित कृतियों को इस प्रदर्शनी में शामिल किया गया है। वे गुजरात के प्रतिष्ठित कलाकारों में गिने जाते हैं तथा गुजरात ललित कला अकादमी से पेंटिंग, फोटोग्राफी और ड्राइंग–तीनों विधाओं में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। पिछले वर्ष गुजरात ललित कला अकादमी का गौरव पुरस्कार भी उन्हें मिला। उद्घाटन अवसर पर हेमंत मेहता, सुनील निमावत, गौरव शर्मा, शाहिद परवेज, शर्मिला राठौर, चित्रसेन सहित शहर के कई कला प्रेमी मौजूद रहे। यह प्रदर्शनी 11 दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक कला प्रेमियों के लिए निःशुल्क खुली रहेगी।

खबर संक्षेप

शहर में लगातार हो रही बाइक चोरी की वारदात का पुलिस ने किया पदार्फाश

चित्तौड़गढ़ @ पदमावत मीडिया। शहर चित्तौड़गढ़ में हाल ही में सामने आई बाइक चोरी की तीन वारदातों का सदर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी की बाइकें बरामद करना शुरू कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 19 नवंबर की रात सेगवा हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र स्थित धाकड़ छात्रावास के पीछे से सत्यनारायण बारेठ की बाइक चोरी हुई थी। इसके बाद 25 नवंबर की रात शंकरपुरम क्षेत्र से रामेश्वरलाल धाकड़ (अध्यापक) की बाइक तथा पद्मिनी विहार क्षेत्र से सुमेर सिंह की मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। तीनों मामलों में सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

एएसपी सरिता सिंह एवं डीएसपी बृजेश सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह के निर्देशन पर एएसआई मुरलीदास सहित सदर थाना व साइबर सेल की एक संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थलों का निरीक्षण किया, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा तकनीकी विश्लेषण किया। इसी दौरान मुखबिर के माध्यम से पुख्ता सूचना मिली कि चोरी की वारदातों को महावीर उर्फ. भूरिया जोगी कालबेलिया एवं उसके साथी अंजाम दे रहे हैं। टीम ने दबिश देकर 20 वर्षीय आरोपी महावीर उर्फ. भूरिया पुत्र रामेश्वरलाल जोगी कालबेलिया, निवासी हडमाला रावलिया, थाना सदर निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने तीनों बाइक चोरी की वारदातें कबूल कीं। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई बाइकें बरामद की जा रही हैं। थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह, एएसआई मुरलीदास, जगवीरसिंह, कॉन्स्टेबल गजेन्द्रसिंह, हेमेन्द्रसिंह, साइबर सेल के हैड कॉन्स्टेबल राजकुमार सोनी, कॉन्स्टेबल रामावतार, एवं सदर निम्बाहेड़ा थाना से हैड कॉन्स्टेबल फरजन खान व कॉन्स्टेबल धर्मचंद शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में बढ़ रही वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

गृहरक्षा स्थापना दिवस पर जवानों ने दिखाया दमखम

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। आगामी 6 दिसंबर को मनाए जाने वाले गृह रक्षा स्थापना दिवस के तहत उदयपुर होमगार्ड विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार को पुलिस लाइन में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में होमगार्ड जवानों ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन समादेष्टा कमांडेंट प्रणय जसोरिया के निर्देशन और मार्ग दर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में कुलचार टीमों ने भाग लिया, जिनमें दो महिला और दो पुरुष टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

कविता

मोनिका डागा आनंद

(रचना स्वरचित व सर्वाधिकार सुरक्षित)

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

चेन्नई में दितवाह तूफान

चेन्नई में दितवाह तूफान ने बहुत हड़कंप मचाया,
ये दितवाह तूफान आफत और सिरदर्द संग लाया,
जगह-जगह शहर में भरा है कितना सारा पानी,
याद आने लगी पुराने साइक्लोन की कहानी ।
नई-पुरानी सड़के टूटी और गड्ढ़ों की हुई भरमार,
पुनः मरम्मत कराएं या सिर पीटे अपना सरकार,
मेट्रो के काम में भी बाधक बन खड़ा है तूफान,
हवाओं ने किया नाक में दम सभी हुए परेशान ।
कीचड़ गंदगी मक्खी मच्छर फैले हैं चारों ओर,
मलेरिया डायरिया डेंगू के खतरे का है अब जोर,
जनजीवन अस्त-व्यस्त प्रकृति ने दंडित किया,
सूरज ने भी खुद को काले बादलों में छुपा लिया ।
गरीब आदमी करें क्या घर में घुस गया है पानी,
कंगाली में गिला आटा मुश्किल हुई जिंदगानी,
दिन-रात लगातार बारिश हाय रूकेगी ये कब,
प्रभु रहम करो करें ८आनंद८ प्रार्थना जीव सब ।
दिसंबर की ठिठुरन और संग मूसलाधार बरसात,
सांय-सांय करें हवा कड़के बिजली सर्द दिन-रात,
पेड़-पौधे टूटे पशु-पक्षियों को भी हुआ नुकसान,
प्रकृति ने रोष प्रकट किया कितनों की गई जान ।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

प्रहलाद सबनानी

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है।

उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किय जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगे एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगे जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगे, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बढ़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर निवारक स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए। महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस्टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

प्रदेश की प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानी सक्रिय भागीदार

राज्य को निवेश का हब बनाने में राजस्थानी मूल के अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

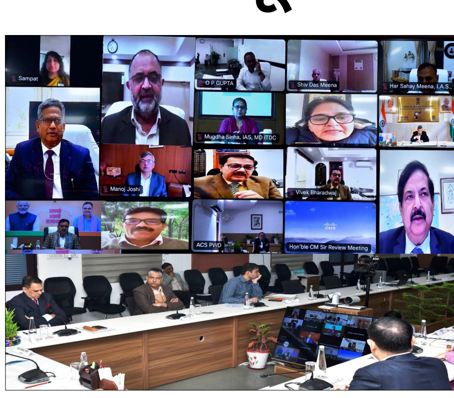

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है और राज्य सरकार की इच्छा है कि इस प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानी भी सक्रिय रूप से सहभागी बनें। इसी उद्देश्य से प्रदेश में आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दुनिया भर में बसे राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने और राज्य में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों के साथ प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान को निवेश का वैश्विक हब बनाने में इन अधिकारियों की अहम भूमिका है, क्योंकि इनके अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है और पर्यटन, ऊर्जा, जल, उद्योग सहित कई क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए थे, जिनमें से 7 लाख करोड़ रुपये के कार्यों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। यह राज्य की मजबूत नीतियों और निवेश-अनुकूल वातावरण का प्रमाण है।

प्रवासी राजस्थानियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करें अधिकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अधिकारियों का अपनी जन्मभूमि से गहरा भावनात्मक जुड़ाव रहता है और वे अपने-अपने क्षेत्रों में नवाचार करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे उद्यमियों तथा निवेशकों को राजस्थान में निवेश के लिए प्रेरित करें और इस आयोजन में आकर अपने अमूल्य सुझाव प्रदान करें।

प्रवासी राजस्थानियों ने विश्वस्तर पर बढ़ाया सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और उद्यमशीलता के बल पर विश्वपटल पर विशेष पहचान बनाई है और राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार उन्हें मातृभूमि से जोड़ने और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में प्रवासी राजस्थानी विभाग का गठन किया गया है, जो इस समुदाय से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ा रहा है। प्रवासी राजस्थानी दिवस का वृहद आयोजन राज्य में निवेश के नए आयाम स्थापित करेगा।

अधिकारियों ने की पहल की सराहना, दिए रचनात्मक सुझाव

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र सरकार में पदस्थापित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना की और कहा कि राजस्थान से उनका आत्मीय जुड़ाव सदैव बना रहता है। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश-अनुकूल नीतियों ने उद्यमियों के लिए नए अवसर खोले हैं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया और सिंगल विंडो सिस्टम को और सुदृढ़ करने, पर्यटन की ब्रांडिंग, सुनियोजित नगरीय विकास, इको-टूरिज्म, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश बढ़ाने संबंधी सुझाव दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंस में मनोज जोशी, विवेक भारद्वाज, बाबूलाल गीणा, अंजू शर्मा, ओ.पी. गुप्ता, तंघय कुमार, सुनील पालीवाल, नरेश पाल गगवार सहित विभिन्न अखिल भारतीय और केन्द्रीय सेवा अधिकारियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

प्रताप सरनाईक ने लिया संत निलेश चंद्र मुनि का आशीर्वाद

हार्दिक हुंडिया बोले— राजनीति में बड़ा भूचाल आने के संकेत

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भायखला/मुंबई। समाजसेवा, जीवदया और कबूतरों व मारवाड़ी समाज के अधिकारों की लड़ाई के लिए विख्यात राष्ट्रीय संत निलेश चंद्र मुनि के दर्शन करने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री प्रताप सरनाईक भायखला स्थित कासा एमरल्ड इमारत पहुंचे। संत निलेश मुनि के आध्यात्मिक मार्गदर्शन, जीवदया कार्यों और सामाजिक समरसता के संदेश से प्रभावित होकर सरनाईक ने कहा कि उनकी शिक्षाएँ समाज में एकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करती हैं।

मुलाकात के दौरान संत निलेश मुनि ने प्रताप सरनाईक की सराहना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो जातिवाद और भाषावाद की राजनीति को समाप्त कर समाज की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने के निर्णय की भी प्रशंसा की।

हार्दिक हुंडिया, जो संत निलेश मुनि द्वारा प्रेरित जन कल्याण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, संत और सरकार के बीच संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी बने। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात में हुई राजनीतिक और सामाजिक चचाओं से राजनीति जगत में बड़ा भूचाल आने के संकेत मिलते हैं।

मंत्री सरनाईक ने आगामी मीरा-भायंदर धार्मिक कार्यक्रम में संत निलेश मुनि को आमंत्रित भी किया। मुलाकात के दौरान धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर लंबी चर्चा हुई। इस अवसर पर संत निलेश मुनि ने प्रताप सरनाईक को हनुमान जी की तस्वीर भेंट की, जबकि हार्दिक हुंडिया ने मंत्री को संविधान की फ्रेम और तिरंगा दुपट्टा भेंट किया। संघ की ओर से भी सरनाईक का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में रमेश शाह, दिनेश फागनिया, मांगीलाल सोलंकी, सुरेश फागनिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। महिला अधिकारिता विभाग, सलूंबर द्वारा 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सलूंबर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण तथा बाल अधिकारों के प्रति विद्यार्थियों, अभिभावकों और समुदाय को संवेदनशील एवं जागरूक बनाना रहा। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राम किशोर खदाव के निर्देशन में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणाम, संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा प्रतिबंधात्मक उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान

बाल विवाह रोकथाम हेतु सभी को सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं—सखी वन स्टॉप सेंटर, शिक्षा सेतु, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना तथा निःशुल्क RSCIT सेंटर योजना—की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की गई। प्रतिभागियों को 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 बाल संरक्षण हेल्पलाइन तथा 112 पुलिस सहायता सहित अन्य आवश्यक सरकारी सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही बाल विवाह मुक्त वातावरण बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य भगवानलाल त्रिवेदी, ब्लॉक सुपरवाइजर ललित कटारा, अंजली मेहता, भंवर लाल मीणा, सोहन सिंह सिसोदिया तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक कविता पुरबिया सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों से बाल विवाह के खिलाफ जागरूक रहने और समाज में रोकथाम का संदेश आगे बढ़ाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की विशेष जागरूकता गतिविधियों का हिस्सा है।

यूरिया खाद की कालाबाजारी करने वालों पर रहेगी कड़ी नजर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध कराने में आ रही कठिनाइयों, लंबी कतारों और संभावित कालाबाजारी को रोकने के लिए कृषि विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। संयुक्त निदेशक कृषि (वि०) सलूंबर पुरूषोत्तम लाल भट्ट ने बताया कि जिले में यूरिया वितरण प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए टोकन सिस्टम लागू किया गया है। इस व्यवस्था के तहत टोकन प्राप्त किसानों को ही खाद उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे भीड़ तथा अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण रहेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यूरिया खाद को अधिक दर पर बेचने, बार-बार खरीदकर जमा करने और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी। प्रदेश की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने सभी कृषि अधिकारियों को उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, सुचारु और शिकायत-मुक्त बनाने के निर्देश दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकपोस्ट और बैरियर के माध्यम से विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि जमाखोरी, अवैध भंडारण, टैगिंग तथा अनुदानित उर्वरकों के गैर-कृषि उपयोग पर रोक लग सके।

अधिकारियों ने सभी उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर मूल्य सूची, प्राधिकार पत्र एवं उपलब्ध स्टॉक का स्पष्ट प्रदर्शन अनिवार्य कर दिया है। उर्वरक कंट्रोल रूम, किसान कॉल सेंटर तथा प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर भी निर्देश जारी किए गए हैं। संयुक्त निदेशक ने बताया कि यूरिया के टॉप खरीदारों, बार-बार खरीद करने वाले किसानों तथा अधिक बिक्री करने वाले रिटेलर्स को चिन्हित कर भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

प्रत्येक व्यक्ति में परमात्मा बनने का गुण विद्यमान है : आर्यिका विकाम्याश्री माताजी

आर्यिका संघ का प्रात: गुडली और शाम को उथरदा में हुआ मंगल प्रवेश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। अतिशय क्षेत्र अडिंदा पार्श्वनाथ से पद विहार करते हुए आर्यिका विकाम्याश्री माताजी, आर्यिका

विगुंजन श्री माताजी ससंघ का बुधवार प्रातः गुडली में मंगल प्रवेश हुआ। प्रवक्ता अनिल स्वर्णकार ने बताया कि प्रवेश के अवसर पर जैन समाज द्वारा आर्यिका संघ का पाद प्रक्षालन कर मंगल अगवानी की गई। इसके पश्चात आर्यिका विकाम्याश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में मूलनायक भगवान पद्मप्रभु का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। आहारचर्या उपरांत दोपहर में आर्यिका ससंघ का उथरदा के लिए पद विहार हुआ, जहां शाम को मंगल प्रवेश हुआ। गुडली स्थित संत भवन में मंगल प्रवचन देते हुए आर्यिका विकाम्याश्री माताजी ने कहा कि जैसे बादल सूर्य के प्रकाश को ओट में ले लेते हैं, वैसे ही प्रत्येक व्यक्ति में मौजूद अनंत गुण कर्मों की ओट से प्रकट नहीं हो पाते। जिसने अपने गुणों को पहचान लिया, उन्हें विकसित कर लिया, वही व्यक्ति कर्मों की निर्जरा कर मोक्ष मार्ग को वरण कर परमात्मा भी बन सकता है। आर्यिका माताजी ने कहा कि जीवन में सदैव छोटे-छोटे नियम ग्रहण करने चाहिए, क्योंकि नियमों का पालन ही आत्मोद्धार का मार्ग प्रशस्त करता है।

एसओजी ने दबोचा 10,000 का इनामी

ग्राम सेवक भर्ती में डमी अभ्यर्थी का मामला उजागर

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान में सरकारी भर्तियों को प्रभावित करने वाले जालसाजों पर एसओजी की सख्त कार्रवाई जारी है। ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा-2016 में डमी अभ्यर्थी बिठाकर नौकरी हासिल करने वाले

नौकरी हथियाने वाला मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई गिरफ्तार, शिक्षक गोपाल विश्नोई पहले ही जा चुका है जेल

मुख्य आरोपी और 10,000 के इनामी लाडूराम विश्नोई को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि इसकी गिरफ्तारी इस संवेदनशील प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता है। यह पूरा मामला उस समय सामने आया जब एसओजी को एक परिवाद प्राप्त हुआ, जिसमें स्पष्ट आरोप लगाया गया कि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षाझ2016 में अभ्यर्थी लाडूराम विश्नोई ने खुद परीक्षा नहीं दी, बल्कि अपनी जगह एक डमी अभ्यर्थी को बैठाकर चयन प्राप्त किया। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि लाडूराम विश्नोई ने अपनी जगह परीक्षा देने के लिए गोपाल विश्नोई पुत्र जगदीश विश्नोई निवासी बाड़मेर को हायर किया था। गोपाल विश्नोई स्वयं द्वितीय श्रेणी शिक्षक के पद पर जोधपुर में कार्यरत था। इस डमी अभ्यर्थी को एसओजी पहले ही 19 दिसम्बर 2024 को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई मामले के उजागर होने के बाद से ही फरार चल रहा था और लगातार स्थान बदल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर ?10,000 का इनाम घोषित किया गया था। तकनीकी विश्लेषण, खुफिया जानकारी और लगातार निगरानी के बाद एसओजी की टीम ने 1 दिसम्बर को उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी लाडूराम विश्नोई पुत्र सोनाराम, निवासी गडरा नेडीनाडी, तहसील धोरीमन्ना, जिला बाड़मेर है। एसओजी अब यह जांच कर रही है कि इस भर्ती धोखाधड़ी के पीछे और कौन-कौन शामिल थे, क्या अन्य अभ्यर्थियों ने भी इसी तरह का तरीका अपनाया और क्या कोई संगठित गिरोह इस पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने स्पष्ट किया कि योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस प्रकार के फर्जीवाड़े का पूर्ण सफाया किया जाएगा।

भोपाल ग्रामीण व उज्जैन पुलिस की संवेदनशील और मानवीय पहल

चार नाबालिग बच्चों को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी संवेदनशील, चुस्त, तकनीक-सक्षम और परिणाम आधारित पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मात्र दो घंटे में दो मासूम नाबालिग बच्चों को सुरक्षित ढूंढकर उनके परिजनों को सौंप दिया। आपसी रंजिश के कारण भोपाल ग्रामीण थाना बैरसिया क्षेत्र से दो बच्चों को घर से उठाकर ले जाने की घटना चिंताजनक थी, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने संभावित गंभीर अपराध को समय रहते रोक दिया।

फरियादी निवासी बसई, थाना बैरसिया ने रिपोर्ट दी थी कि रेखा अहिरवार निवासी माल्थोन, जिला सागर, दो अन्य व्यक्तियों के

साथ मिलकर उसके दो बच्चों (उम्र 2 और 3 वर्ष) को घर से उठा ले गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना बैरसिया में अपराध दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया।

तकनीकी इनपुट, मोबाइल लोकेशन एनालिसिस, संदिग्धों की गतिविधियों के क्रॉस-मैपिंग और फील्ड इनफॉर्मेशन के

आधार पर खोज अभियान तेज किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी महिला की लोकेशन जिले के ग्यारसपुर थाना क्षेत्र में सक्रिय है। इस आधार पर बैरसिया पुलिस ने ग्यारसपुर थाना पुलिस से समन्वय स्थापित कर संयुक्त टीम तैयार की।

लगातार समन्वय और त्वरित निर्णयों के परिणामस्वरूप रेखा अहिरवार, अशोक कुशवाहा और मनीष आदिवासी को हिरासत में लिया गया तथा दोनों बच्चों को सकुशल बरामद किया गया। बच्चों की शारीरिक व मानसिक स्थिति का परीक्षण कराया गया, जिसमें दोनों स्वस्थ पाए गए। सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना बैरसिया में प्रकरण दर्ज कर विवेचना जारी है।

उज्जैन में भी पुलिस ने अपनी संवेदनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का अद्भुत परिचय दिया। देवासगेट बस स्टैंड क्षेत्र में पुलिस को 3 और 4 वर्ष के दो मासूम बच्चे बिना अभिभावक के ठंड में ठिठुरते मिले। बच्चे कम उम्र के कारण अपना पता नहीं बता पा रहे थे। पुलिस ने दोनों को संरक्षण में लेकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और शहर के मुख्य मार्गों पर लगे 60 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज का विस्तृत विश्लेषण किया।

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम बच्चों की मां–गौरी पति आकाश माली, निवासी छत्रीबाग, इंदौर–तक पहुंच सकी। थाने में बच्चों और उनकी मां को भोजन, गर्म कपड़े और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई तथा स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बच्चों को सुरक्षित सुपुर्द कर दिया गया।

दोनों मामलों ने यह सिद्ध कर दिया कि मध्यप्रदेश पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों–विशेषकर बच्चों और महिलाओं–की सुरक्षा के प्रति अत्यंत संवेदनशील और समर्पित है। चार मासूम बच्चों की सकुशल बरामदगी पुलिस की मानवीय भूमिका, तत्परता और जनता के प्रति सेवा-भाव का स्पष्ट और सशक्त प्रमाण है।

पत्रकार को जान से मारने की धमकी

मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग तेज

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

प्रतापगढ़। उदयपुर जिले के कोटड़ा क्षेत्र में दैनिक भास्कर संवाददाता रमेश गरासिया को जान से मारने की धमकी दिए जाने की घटना के विरोध में मेवाड़ प्रेस क्लब ने बुधवार को प्रतापगढ़ उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने इस पूरे प्रकरण की निंदा करते हुए आरोपियों पर कठोर कार्रवाई और पीड़ित पत्रकार को तत्काल पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

ज्ञापन में बताया गया कि 30 नवंबर को झाड़ोल में कार्यवाहक पंचायत समिति विकास अधिकारी शंभूराम गरासिया और मैरपुर ग्राम पंचायत के प्रशासक पति द्वारा मोबाइल पर कॉल कर पत्रकार रमेश गरासिया को धमकाया गया। मेवाड़ प्रेस क्लब ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए इसे गंभीर मुद्दा कहा।

मेवाड़ प्रेस क्लब प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष मनोज राठौर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में

मांग की गई कि आरोपियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए, प्रशासक पति पर कार्रवाई की जाए, कार्यवाहक बीडीओ को निलंबित किया जाए तथा पत्रकार रमेश गरासिया को सुरक्षा प्रदान की जाए। पत्रकारों ने कहा कि जब तक पत्रकार सुरक्षा कानून लागू नहीं होता, ऐसे मामले बढ़ने का खतरा बना रहेगा। इसलिए राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून को जल्द लागू किया जाए।

ज्ञापन देते समय मेवाड़ प्रेस क्लब सोसायटी प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष मनोज राठौर, वरिष्ठ पत्रकार अरुण वोरा, तेजकरण राठौर, रितेश सालवी, किशोर छाबड़ा, चंद्रशेखर मेहता, हितेश उपाध्याय, दिलीप सेन, दिलीप टांक, तारुसिंह यादव, महेश राव सहित जिले के कई पत्रकार मौजूद रहे।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर मुख्य सचिव टी. श्रीनिवास ने कलेक्टर्स से की समीक्षा बैठक

योजनाबद्धता के साथ कार्यक्रम सफल बनाएं: मुख्य सचिव

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर। राज्य सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित होने वाले जिला एवं विधानसभा स्तर के व्यापक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव टी. श्रीनिवास ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी संभागीय आयुक्तों एवं जिला कलेक्टर्स की बैठक ली। बैठक में उन्होंने आगामी आयोजन को प्रभावी, सुव्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सरकार के दो वर्ष के दौरान पूर्ण, प्रगतिरत एवं स्वीकृत कार्यों का विभागवार संकलन सुव्यवस्थित रूप से किया जाए। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या, लाभार्थियों को आवंटित राशि, सीधी भर्ती एवं संविदा नियुक्तियों का विवरण, शिविरों एवं अभियानों में लाभान्वितों की संख्या सहित सभी उपलब्धियों को संकलित कर विधानसभा-वार पुस्तिका तैयार की जाए।

उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक प्रदेशभर में अनेक जनकल्याणकारी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जागरूकता रथों की रवानगी, रूट चार्ट, सड़क सुरक्षा जागरूकता गतिविधियों, स्वच्छ भारत अभियान के तहत मंदिरों एवं स्मारकों की सफाई, रक्तदान शिविर, आरोग्य शिविर, गौ सेवा कार्यक्रम, जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ, ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविरों की कार्ययोजना तथा मिशन लाइफ जागरूकता कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाए। पंच गौरव अभियान के तहत चयनित पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

डूंगरपुर जिला कलेक्ट्रेट स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी बैठक में मौजूद रहे। वीसी के बाद जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने जिले के सभी अधिकारियों के साथ पृथक बैठक कर 12 से 25 दिसंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की और निर्देश दिया कि सभी नोडल अधिकारी पूर्व नियोजन के साथ कार्ययोजना बनाएं तथा कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें।

गत दो वर्षों में एससी/एसटी अत्याचार मामलों में 28.23 प्रतिशत की कमी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार राजस्थान पुलिस समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही कर रही है। नवीन आपराधिक कानूनों को कठोरता और प्रभावी ढंग से लागू करने पर दिए गए विशेष फोकस का ही परिणाम है कि राज्य में एससी/एसटी अत्याचार से संबंधित अपराधों में लगातार उल्लेखनीय कमी दर्ज की जा रही है।

सीसीटीएनएस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023, 2024 एवं नवंबर 2025 तक दर्ज प्रकरणों की तुलना करने पर यह स्पष्ट होता है कि अनुसूचित जाति/जनजाति के विरुद्ध अपराधों में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। पुलिस द्वारा त्वरित एफआईआर दर्ज करना, संवेदनशीलता के साथ अन्वेषण करना और कठोर कानून-व्यवस्था लागू करना इस सकारात्मक बदलाव के प्रमुख कारक बने हैं।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि नवंबर 2023 की तुलना में नवंबर 2025 में एससी/एसटी अत्याचार मामलों में 28.23 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जबकि नवंबर 2024 की तुलना में भी नवंबर 2025 में 17 प्रतिशत की गिरावट सामने आई है। उन्होंने बताया

कि नवंबर 2023 में 10,273 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2025 में इनकी संख्या घटकर 7,373 रह गई। वर्ष 2024 में 8,883 मामलों के मुकाबले वर्ष 2025 में 7,373 प्रकरण दर्ज हुए, जो एक वर्ष में 17 प्रतिशत कमी को दर्शाता है।

त्वरित एफआईआर और तेज जांच : भरोसे में बढ़ोतरी

राजस्थान पुलिस ने एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने और समयबद्ध अनुसंधान पर जोर दिया है। इसी कारण अन्वेषण अवधि में भी उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2023 में जहां औसत जांच अवधि 124 दिन थी, वहीं 2024 में यह घटकर 109 दिन और वर्ष 2025 में मात्र 75 दिन रह गई। यह अपराध अनुसंधान में अभूतपूर्व तेजी का संकेत है।

कमजोर वर्गों के विरुद्ध अपराधों में कमी : पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि

पुलिस ने हत्या, बलात्कार, अपहरण, गंभीर चोट और एससी/एसटी अत्याचार जैसे गंभीर अपराधों में त्वरित कार्यवाही और कठोर निगरानी रखी है। इससे अपराध नियंत्रण में अत्यंत सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं और समाज के कमजोर वर्गों में विश्वास मजबूत हुआ है।

नए आपराधिक कानूनों के तहत 60 दिवस में निस्तारण पर फोकस

राजस्थान पुलिस नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों के अनुसार प्रकरणों के 60 दिवस के भीतर निस्तारण के लक्ष्य को प्राथमिकता दे रही है, जिससे पीड़ितों को शीघ्र और प्रभावी न्याय सुनिश्चित हो सके।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब तस्करी और विक्रय पर सख्त कार्रवाई

झाबुआ व भोपाल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 1 करोड़ 66 लाख से अधिक की संपत्ति जब्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। अवैध शराब तस्करी और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने बड़ी सफलता अर्जित की है। पुलिस की सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वित कार्यवाही के परिणामस्वरूप झाबुआ तथा भोपाल में भारी मात्रा में अवैध शराब और संबंधित संपत्ति जब्त की गई है।

झाबुआ: इंदौर–अहमदाबाद हाईवे पर बड़ी कार्रवाई

झाबुआ पुलिस ने इंदौरझअहमदाबाद हाईवे (ठल-47) पर मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई में एक टाटा ट्रक से 7470 लीटर अवैध शराब बरामद की है। तस्करों ने शराब को छुपाने के लिए उसके ऊपर भूसा लोड कर रखा था। पुलिस ने ट्रक, भूसा, तिरपाल, मोबाइल सहित अन्य सामान जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 63 लाख 35 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली झाबुआ में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस सफलता पर झाबुआ पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्रवाई में शामिल टीम को प्रशंसा पत्र और नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

भोपाल: बैरागढ़ पुलिस ने 70 पेटी अवैध शराब पकड़ी

भोपाल शहर में अवैध शराब विक्रय और परिवहन पर रोक लगाने के लिए पुलिस आयुक्त द्वारा दिए निर्देशों के अनुरूप बैरागढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 70 पेटी अवैध शराब बरामद की है। एसीपी बैरागढ़ आदित्य राज सिंह ठाकुर एवं थाना प्रभारी अशोक कुमार गौतम के नेतृत्व में गठित टीम ने 03 दिसंबर को रेलवे स्टेशन फाटक क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर आरोपी अमर ठकोरिया के घर दबिश दी। घर में छिपाकर रखी गई शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 75 हजार रुपये है। आरोपी के विरुद्ध थाना बैरागढ़ में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना जारी है।

कुल जब्ती

दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने कुल मिलाकर 1 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब, वाहन और अन्य संपत्ति जब्त की है। यह अभियान प्रदेश में अवैध शराब नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

नवजीवन : उज्जैन पुलिस की उल्लेखनीय पहल

ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत दस्तयाब युवाओं को नई राह दिखाने का प्रयास

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। उज्जैन पुलिस अधीक्षक की पहल पर मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर में नवजीवन शीर्षक से सुधारात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दिशा लर्निंग सेंटर के सहयोग से उन युवाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित हुआ, जिन्हें हाल ही में ऑपरेशन मुस्कान के दौरान जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से दस्?तयाब किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उन्हें सकारात्मक दिशा देना और जिम्मेदार नागरिकता की ओर प्रेरित करना है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस

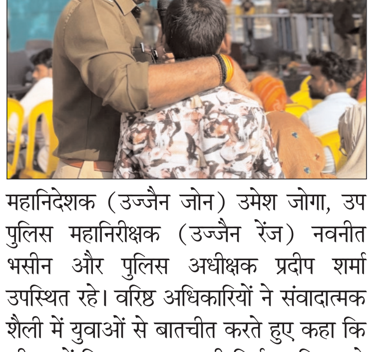

महानिदेशक (उज्जैन जोन) उमेश जोगा, उप पुलिस महानिरीक्षक (उज्जैन रेंज) नवनीत भसीन और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने संवादात्मक शैली में युवाओं से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में लिए गए शुरूआती निर्णय भविष्य को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि भटकाव

परिस्थितियों का परिणाम हो सकता है, लेकिन सही समय पर उठाया गया सुधारात्मक कदम व्यक्ति को नई दिशा देता है। पुलिस व्यवस्था केवल कानून लागू करने की संस्था नहीं, बल्कि समाज के संरक्षण और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण शक्ति भी है। उज्जैन पुलिस लंबे समय से बच्चों और युवाओं की सुरक्षा तथा पुनर्वास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। ऑपरेशन मुस्कान के दौरान मिले युवाओं की सुरक्षा, भावनात्मक सुदृढ़ता और आत्मविश्वास पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से ₹नवजीवन₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई भावनात्मक क्षण सामने आए। एक बालिका ने साहसपूर्वक अपनी समस्या साझा की, जिस पर अधिकारियों ने उसे हर आवश्यक सहयोग और सुरक्षा दिलाने का आश्वासन दिया। एक अन्य बालिका ने पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा व्यक्त की, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। वहीं एक अन्य बालिका ने कुश्ती प्रशिक्षण पुनः शुरू करने की इच्छा जताई, जिसके लिए उपयुक्त व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया। इन संवादों ने युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

दिशा लर्निंग सेंटर कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है। इसके माध्यम से युवाओं को जीवन कौशल, आत्मविश्वास निर्माण, सकारात्मक सोच, सामाजिक समझ और पुनर्वास से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में सशक्त होकर लौट सकें।

नवजीवन कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि पुलिस की भूमिका केवल कानून और व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक पुनर्निर्माण, संरक्षण और संवेदनशील पुलिसिंग में भी उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत दस्?तयाब युवाओं के लिए यह पहल वास्तविक अर्थों में नए विश्वास, नई शुरूआत और नवजीवन की दिशा प्रस्तुत करती है। उज्जैन पुलिस की यह पहल संवेदनशील और मानवीय पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

खबर संक्षेप

नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा एक्शन मोड में

10 नवंबर से अब तक 760 से अधिक निराश्रित पशु पकड़े, हिंगौनिया गौशाला भेजे

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा इन दिनों निराश्रित एवं बेसहारा पशुओं के संरक्षण के लिए सक्रिय मोड में कार्य कर रही है। नगर

608 बीमार व घायल पशुओं को एंबुलेंस से पहुंचाई तत्काल चिकित्सा सहायता

निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर अभियान चलाते हुए बड़ी संख्या में पशुओं को सुरक्षित रूप से गौ-पुनर्वास केन्द्र हिंगौनिया गौशाला भेजा जा रहा है। हाल ही में हवामहल आमेर जोन में अवैध पशु डेयरी का संचालन पाया गया, जिसे निगम टीम द्वारा हटाया गया तथा भविष्य में अवैध संचालन पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। उपायुक्त पशु प्रबंधन सीमा शर्मा ने बताया कि आश्रयहीन एवं बेसहारा पशुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का कार्य मिशन मोड में जारी है। 10 नवंबर 2025 से अब तक 760 से अधिक निराश्रित पशुओं को पकड़कर गौ-पुनर्वास केन्द्र हिंगौनिया गौशाला भेजा गया है। इसके साथ ही 2293 मृत पशुओं को उठवाकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित करवाया गया है।

शहर में उत्पात मचाने वाले 386 बंदरों को पकड़कर प्राकृतिक पर्यावरण वाले क्षेत्रों में छोड़ा गया है। वहीं 608 बीमार और घायल पशुओं को एंबुलेंस वाहन द्वारा उठवाकर हिंगौनिया में उपचार हेतु पहुँचाया गया। इसके अतिरिक्त राजमार्गों से 19 निराश्रित पशुओं को भी पकड़कर गौ-पुनर्वास केन्द्र भेजा गया।

सीवरेज कार्य में लापरवाही के कारण ट्रैक्टर खड्डे में फंसा, बड़ा हादसा टला

जेसीबी की मदद से रास्ता सुचारु करवाया गया

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। परशुराम चौराहे से गायरियावास मार्ग पर स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे सीवरेज कार्य में लापरवाही और घटिया निर्माण कार्य फिर उजागर हुआ,

जब गुरुवार सुबह ईंटों से भरा एक ट्रैक्टर अचानक सड़क धंसने से गहरे खड्डे में फंस गया। गड्ढा बनने के कारण बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बचा। बाद में ट्रैक्टर को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना क्षेत्रवासियों द्वारा पूर्व पार्षद राजकुमारी मेनारिया को दी गई। वे तुरंत मौके पर पहुंचीं। वहां मौजूद समाजसेवी दीपक मेनारिया और गज्जू मानावत सहित अन्य लोगों ने बताया कि परशुराम चौराहे से गायरियावास की ओर जा रहा ट्रैक्टर जैसे ही डी सीरिया होटल के सामने पहुंचा, सड़क धंस गई और ट्रैक्टर का अगला हिस्सा गड्ढे में जा फंसा। खड्डा इतना गहरा था कि यदि ट्रैक्टर संतुलन खो देता तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किए जा रहे सीवरेज कार्य में लगातार लापरवाही सामने आ रही है। सड़क को समुचित रूप से नहीं भरा जाता, जिससे हर कुछ दिनों में धंसाव हो रहा है। ठेकेदारों द्वारा केवल लीपापोती कर कार्य चलाया जा रहा है और आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। घटना के बाद पूर्व पार्षद राजकुमारी मेनारिया ने तुरंत जेसीबी मंगवाकर गड्ढे को भरवाया तथा मार्ग को दुरुस्त कर यातायात सुचारु करवाया। इस दौरान क्षेत्रवासी व व्यापारी–गज्जू मानावत, दीपक मेनारिया, शंकर नागदा सहित अनेक लोग मौके पर मौजूद रहे और आगे भी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करवाए जाने की मांग उठाई।

कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान—भविष्य की दिशाएं भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में विकसित हों: राज्यपाल

पौधों में चेतना, संवेदनाएँ एवं जीववैज्ञानिक संरचना को वैज्ञानिक दृष्टि से समझने पर बल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जोधपुर/जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तभी सार्थक रूप से पूर्णता प्राप्त करेगा जब उसे भारतीय ज्ञान परम्परा, प्राचीन वैज्ञानिक अवधारणाओं और शास्त्रीय व्याख्याओं के आलोक में आगे बढ़ाया जाए। कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिक दृष्टि और आधुनिक अनुसंधान का समन्वय मानव कल्याण, नवाचार और प्रकृति संरक्षण के नए आयाम प्रस्तुत कर सकता है।

प्राकृतिक ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी का एकीकरण समय की आवश्यकता

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएस) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "Recent Innovations in Cellular and Molecular Biology: Emerging Insights and Applications" को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि पेड़-पौधे मात्र जीवित संरचनाएँ ही नहीं, बल्कि संवेदनशील जीवन रूप हैं। उनमें ताप, आर्द्रता, प्रकाश, रोग एवं पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने और उनके अनुरूप प्रतिक्रिया करने की क्षमता होती है। उन्होंने कहा कि पौधों में चेतना और सूक्ष्म प्रतिक्रियात्मक प्रणालियाँ विद्यमान हैं, जो वैज्ञानिक परीक्षणों में प्रमाणित भी होती हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वृक्ष अपनी जड़ों द्वारा न केवल जल ग्रहण करते हैं, बल्कि जड़ों में औषधीय उपचार से रोगों का निवारण भी संभव है—यह उनकी संवेदनात्मक और जीववैज्ञानिक संरचना का महत्वपूर्ण संकेत है।

राज्यपाल ने वनस्पति विज्ञान की वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए महर्षि पाराशर के ह्यवृक्ष आयुर्वेदझ का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि प्रोटोप्लाज्म, कोशिका झिल्ली और ऊर्जा-सृजन तंत्र जैसे वैज्ञानिक तत्वों का वर्णन भारतीय प्राचीन ग्रंथों में मिलता है, जबकि आधुनिक विज्ञान ने उनकी पुष्टि बहुत बाद में की। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय वैज्ञानिक परंपरा के गहन अध्ययन और पुनर्पाठ की आज अत्यधिक आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि डीएनए, आरएनए, प्रोटीन संरचना और आणविक तकनीकों पर होने वाले आधुनिक शोध को भारतीय परंपरागत वनस्पति व्याख्या एक सुदृढ़ आधार प्रदान कर सकती है। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे भारतीय ज्ञान-परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी की संयुक्त व्याख्या पर आधारित अनुसंधान ढांचा तैयार करें। राज्यपाल ने प्रस्ताव रखा कि विश्वविद्यालय के पादप विज्ञान विभाग में प्राचीन वनस्पति शोध तथा नवीनतम आणविक अध्ययनों को एकीकृत करने वाला विशेष शोध कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए।

राज्यपाल ने पर्यावरणीय परिवर्तन, ऊर्जा संकट और जैव विविधता संरक्षण को लेकर बढ़ती वैश्विक चुनौतियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इन समस्याओं का समाधान कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान के माध्यम से वैज्ञानिक रूप से खोजा जा सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों और शोधकताओं से कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वे अपने शोध कार्यों को समाजहित, प्रकृति संरक्षण और सतत विकास के मूल्यों के साथ जोड़कर आगे बढ़ाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांग मेला आयोजित

ब्रह्माकुमारी संस्थान के सामाजिक कार्यों से सभी लाभान्वित : जसराज पुरोहित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। खेतावत सेवा सदन में ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवा केंद्र एवं दिव्यांग सेवा प्रभाग माउंट आबू के संयुक्त तत्वावधान में सुन्दर बिजनेस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से एक दिवसीय दिव्यांग मेला आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज पुरोहित, पूर्व विधायक पुराराम चौधरी, पूर्व पालिका अध्यक्ष सांवलाराम देवासी, पूर्व जिला प्रमुख गिरधरकंवर दासपां और नागरिक कल्याण मंच अध्यक्ष माणकमल भंडारी मौजूद रहे। अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी डॉ. गीता बहन ने की। मेले में ब्रह्माकुमारी संस्थान शान्तिवन एवं माउंट आबू से आई टीम ने विशेष प्रदर्शनी व खेल गतिविधियों का संचालन किया। विभिन्न

जिलों से आए 128 दिव्यांगजन शामिल हुए। अतिथियों ने संस्थान द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

ब्रह्माकुमार अतुल भाई व चन्द्रपाल भाई ने दिव्यांग जनों को प्रेरक संदेश दिए। माणकमल भंडारी ने दिव्यांगजन हित में किए जा रहे सतत कार्यों की प्रशंसा की। कई दिव्यांगजनों ने गीत व भजन प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

39,900 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 10 कैंटर सामान जब्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को शहरभर में व्यापक अभियान चलाते हुए अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निदेर्शों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में कुल 39,900 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला गया तथा 10 कैंटर सामान जब्त कर निगम गोदाम में भिजवाया गया।

सतर्कता शाखा की टीम ने निगम क्षेत्राधिकार में एनआर मार्ट के सामने खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा पुलिया, शनि मंदिर के सामने, वैशाली नगर, आम्रपाली सर्किल नर्सरी पार्क के पास, एसएमएस ट्रोमा सेंटर मालवीय नगर जीटी जेएलएन मार्ग, बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़, घोड़ा निकास रोड, रामगंज मार्ग, झारखंड मोड़, मोती कटला बाजार रोड, जोरावर सिंह गेट, ब्रह्मपुरी रोड, सांगानेरी गेट, जलमहल कच्चा रास्ता, पुरानी कोतवाली, सूरजपोल, रामगढ़ मोड़, नाहरगढ़, मानसागर, दिल्ली बाइपास, मीरशाह के पास, खोले के हनुमान जी, गलता गेट, बांके बिहारी, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, जौहरी बाजार सहित अनेक स्थानों पर कार्रवाई कर अस्थाई अतिक्रमण हटवाया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि सतर्कता टीम ने मौके पर अतिक्रमणकारियों को समझाइश देते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो उनके विरुद्ध भारी चालान जारी किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

नगर निगम जयपुर द्वारा शहर में सुचारू यातायात, सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता और साफ-सुथरे शहरी परिवेश को बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।\

एसओजी का शिकंजा: रकभर्ती–2021 पेपर लीक में एक और अभ्यर्थी गिरफ्तार

8 लाख में खरीदा था हल पेपर, सामान्य ज्ञान में 200 में से 158 अंक लाकर चौंकाया; कुल गिरफ्तारियां 133 पहुंचीं

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 के बहुचर्चित पेपर लीक प्रकरण में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने एक और अभ्यर्थी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आरोपी अभ्यर्थी ने परीक्षा से पहले ही लीक हुए सॉल्व्ड पेपर पढ़कर अत्यधिक अंक प्राप्त किए थे, जिसके बाद उसकी भूमिका संदिग्ध पाई गई।

अनुसंधान के दौरान सामने आया कि महेन्द्र कुमार चौधरी (34) निवासी नाडा की ढाणी, सामोद, जयपुर ग्रामीण ने पेपर लीक गिरोह के सरगना विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेबाड़ से ?8 लाख में सौदा किया था। इस सौदे के तहत महेन्द्र ने 14 सितम्बर 2021 को परीक्षा के दोनों पारियों के हल किए हुए पेपर पहले ही पढ़ लिए थे।

लीक पेपर पढ़ने के बाद महेन्द्र चौधरी ने लिखित परीक्षा में असामान्य रूप से उच्च अंक हासिल किए। उसने हिन्दी में 200 में से 137.21 अंक और सामान्य

महेन्द्र कुमार चौधरी

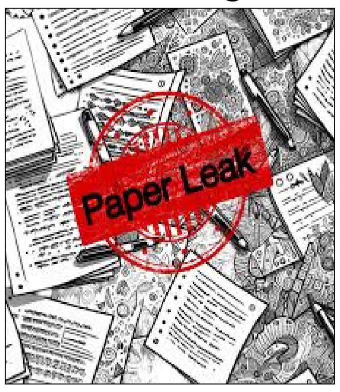

ज्ञान में 200 में से 158.59 अंक प्राप्त किए थे। संयुक्त मेरिट में उसका स्थान 474 आया, लेकिन ओबीसी वर्ग की अंतिम सूची में उसका चयन नहीं हो पाया था।

एसओजी ने उसे 2 दिसम्बर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से 8 दिसम्बर तक पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य भी सामने आया है कि महेन्द्र केवल एसआई भर्ती तक सीमित नहीं था, बल्कि सरगना विनोद जाट के साथ मिलकर अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरणों में भी सक्रिय रहा है।

इस गिरफ्तारी के साथ ही रक भर्तीझ2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 133 हो गई है। एसओजी पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए वित्तीय लेनदेन, बिचौलियों तथा अन्य संबद्ध अभ्यर्थियों की भूमिकाओं की गहराई से जांच कर रही है, ताकि इस संगठित आपराधिक गतिविधि का पूर्ण रूप से पदार्फाश किया जा सके।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण: सलूंबर जिले में 10 से 25 दिसंबर तक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में 10 से 25 दिसंबर तक विविध जनकल्याणकारी, विकासपरक और जागरूकता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर अवधेश मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

कलक्टर ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरूआत 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस से होगी। 13 दिसंबर को जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। 14 दिसंबर को स्वच्छता कार्यक्रम तथा 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान शुरू होगा। इसी दिन रक्तदान शिविर, आरोग्य कैंप और गौ सेवा से जुड़े कार्यक्रम होंगे।

16 दिसंबर को जिला स्तरीय प्रदर्शनी तथा सभी राजकीय कार्यालयों में एक घंटे का विशेष साफ-सफाई अभियान आयोजित किया जाएगा। 17 दिसंबर को ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविर होंगे। 21 दिसंबर को रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया जाएगा।

23 दिसंबर को मिशन लाइफ के तहत जागरूकता कार्यक्रम होंगे, जबकि 24 दिसंबर को पंच गौरव के अंतर्गत जिले में चयनित पर्यटन स्थलों पर सफाई

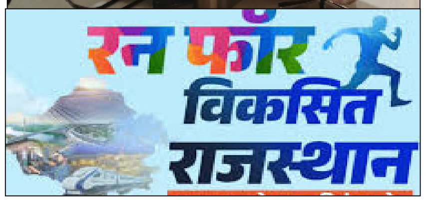

अभियान चलेगा। 25 दिसंबर को जिले, उपखंडों व अटल सेवा केंद्रों पर सुशासन दिवस के तहत शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला ने बताया कि सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं जिला विकास पुस्तिका तैयार की जा रही है। उन्होंने सभी विभागों को उच्च गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम जगदीश चंद्र बामनिया, एसीईओ दिनेश चंद्र पाटीदार, आयुक्त गणपत लाल खटीक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नव दीक्षित आर्यिका धन्यमति माताजी का समाधि मरण, समाज ने निकाली डोल यात्रा

उदयपुर। रत्नत्रय का पालन करते हुए संलेखना धारण कर नव दीक्षित आर्यिका 105 धन्यमति माताजी ने गुरुवार तड़के 4:10 बजे समाधि मरण किया। माताजी ने अपने नाम के अनुरूप साधना, समता और संयम के साथ जीवन यात्रा पूर्ण की।

सुबह करीब 9 बजे समाधिस्थ आर्यिका की डोल यात्रा हिरण मगरी सेक्टरझ4 स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से सवीना मोक्षधाम के लिए निकली। समाज जन बड़ी संख्या में शामिल हुए। यात्रा में भक्ति गीतों के बीच आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज की जय और समाधिस्थ आर्यिका धन्यमति की जयघोष गूंजते रहे।

आर्यिका धन्यमति ने दीक्षा गुरु आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में संलेखना धारण की थी। क्षपक अवस्था में रहते हुए उन्होंने तीन दिन पूर्व जल का भी त्याग कर दिया था। निरंतर समता भाव, मंत्रझसाधना और संघस्थ संतों के मार्गदर्शन में उन्होंने शांति से समाधि धारण की। साधना के दौरान घरझपरिवार के सदस्य भी समाधि भावना और स्वाध्याय का पाठ सुनाते रहे। ब्रह्मचारी वीणा

दीदी और ब्रह्मचारी विकास भैया साधना में सहयोगरत रहे।

सवीना मोक्षधाम पर आर्यिका की अंतिम क्रिया संपन्न हुई। गृहस्थ जीवन के पुत्र विजय कुमार काला निवासी किशनगढ़ ने मुखाग्नि दी। इससे पूर्व विधिझविधान से पूजन की गई।

धन्यमति माताजी को 29 नवंबर 2025 को आर्यिका दीक्षा प्राप्त हुई थी। उससे पूर्व 19 नवंबर को क्षुल्लिका दीक्षा दी गई थी। मात्र दस दिनों में आर्यिका पद की दीक्षा मिलना अत्यंत दुर्लभ माना गया है।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अध्यक्ष झमकलाल अखावत ने बताया कि अंतिम संस्कार में परिवारजन, समाजजन और अनेक

श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि देने वालों में सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांतीलाल वेलावत, महामंत्री सुंदरलाल लुणदिया, वषायोग कमेटी मुख्य संयोजक निर्मल मालवी, संयोजक गौरव गनोडिया, पारस कुणावत सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

आर्यिका धन्यमति, श्रेष्ठ श्राविका सुशीला पाटनी (RK Marble परिवार) की सबसे बड़ी बहन थीं। परिजनों व भामाशाहों ने आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज के वात्सल्य, करुणा और दिव्य दृष्टि की प्रशंसा करते हुए समाज व संघ के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मीडिया प्रभारी मुकेश पांड्या के अनुसार, आचार्य कल्प पुण्य सागर जी अभी तक लगभग 71 समाधि मरण का मार्गदर्शन करा चुके हैं। हाल ही में राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर जी ने भी उन्हें संलेखना के क्षेत्र में अनुभवी बताया था।

आर्यिका धन्यमति माताजी जीवन परिचय

गृहस्थ नामः भंवरी देवी काला
आयुः 85 वर्ष
जन्मस्थानः हिराणी (कुचामन, नागौर)
निवासः किशनगढ़, जिला अजमेर
पतिः स्वर्गीय प्रकाशचंद काला
पिताः रंगलाल पाटोदी
माताः उमराव देवी पाटोदी
संतानः एक पुत्र, चार पुत्रियाँ
क्षुल्लिका दीक्षाः 19 नवंबर 2025
आर्यिका दीक्षाः 29 नवंबर 2025

दीक्षा गुरुः आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज

क्षुल्लिका दीक्षा के बाद से केवल जल और नारियल पानी का आहार ग्रहण, तथा अंतिम तीन दिनों में पूर्ण निराहार रहकर संलेखना धारण की।

आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज का संदेश

उन्होंने कहा कि जैन धर्म में स्त्री पर्याय की सर्वोच्च अवस्था आर्यिका दीक्षा है। भंवरी देवी काला ने धन्यमति नाम पाकर अपने जीवन को धन्य किया। संलेखना पूर्वक समाधि मरण अत्यंत उच्च तप है, जो भावी भवों को श्रेष्ठ बनाता है तथा देवलोक की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। श्रावक-श्राविकाओं को जीवन में संयम और नियम का पालन करना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत – 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।